बाइबल हमें स्पष्ट रूप से चेतावनी देती है:

इब्रानियों 12:14-15 (ERV-HI)
“सभी से शांति बनाए रखने का प्रयास करो और पवित्रता की ओर बढ़ो, जिसके बिना कोई प्रभु को नहीं देखेगा। ध्यान रखो कि
कोई भी परमेश्वर की कृपा से वंचित न हो जाए और कोई कड़वी जड़
न उगे, जो अशांति उत्पन्न करे और उससे कई लोग दागदार हो
जाएं।”

यह वचन सीधे विश्वासी लोगों को संबोधित करता है। यह हमें सिखाता है कि यदि हम सभी के साथ शांति खोजने और पवित्र जीवन जीने में असफल रहते हैं, तो हम परमेश्वर की कृपा खो सकते हैं। ऐसा होने पर हमारे भीतर कड़वाहट की जड़ उग सकती है। जब यह जड़ मजबूत हो जाती है, तो यह केवल हमारे हृदय को अशांत ही नहीं करती, बल्कि हमारे आसपास के कई लोगों को भी दूषित कर सकती है।

आइए इसे और गहराई से समझते हैं।

यदि हम दूसरों के साथ शांति बनाने और पवित्रता में चलने में चूक करते हैं, तो हम कमजोर पड़ जाते हैं। कड़वाहट एक छोटे बीज की तरह शुरू होती है, लेकिन यदि इसे नियंत्रित न किया जाए तो यह बढ़कर

गहरी जड़ें जमाती है और हमारे हृदय में एक शक्तिशाली शक्ति बन जाती है। बाइबल कहती है कि यह कड़वाहट मसीह के शरीर में एक संक्रामक रोग की तरह दूसरों को भी प्रभावित कर सकती है।

ईमानदारी से पूछें: क्या मैं सचमुच सभी के साथ शांति में जीवन व्यतीत करता हूँ?
यह सवाल सिर्फ दूसरे मसीही भाइयों के लिए नहीं, बल्कि उन सभी के लिए है जो विश्वास नहीं रखते। शांति की पुकार कोई सुझाव नहीं, बल्कि आदेश है। पौलुस ने इसे स्पष्ट किया है:

रोमियों 12:18 (ERV-HI)
“यदि तुम्हारे ऊपर निर्भर हो तो सब मनुष्यों के साथ शांति
रखो।”

यह प्रयास, नम्रता और कभी-कभी क्षमा मांगना भी माँगता है, भले ही यह कठिन हो। लेकिन यह आवश्यक है, क्योंकि बिना शांति और पवित्रता के हम परमेश्वर की उपस्थिति को अनुभव नहीं कर सकते।

कड़वाहट क्या है?
बाइबिल में कड़वाहट क्रोध, रोष, ईर्ष्या, घृणा, अनसुलझे दर्द और अक्सर बदला लेने की इच्छा का मिश्रण है। यह केवल भावना नहीं,

बल्कि एक आध्यात्मिक स्थिति है।

इब्रानियों की पुस्तक इसे “जड़” कहती है क्योंकि यह छोटी और छिपी हुई शुरुआत होती है, परन्तु गहरी और मजबूत होकर हटाना मुश्किल हो जाता है। यदि इसे समय रहते न रोका जाए तो यह हमारे विचारों, भावनाओं और रिश्तों को नियंत्रित करने लगती है।

एक उदाहरण है राजा शाऊल का।

शाऊल की कड़वाहट तब शुरू हुई जब वह परमेश्वर के आज्ञाकारी नहीं था और परमेश्वर ने उसे राजा के रूप में त्याग दिया। जब उसने देखा कि परमेश्वर की कृपा दाऊद पर जा रही है, तो उसमें ईर्ष्या और असुरक्षा बढ़ी। पश्चाताप करने और सुधारने के बजाय, उसने कड़वाहट को बढ़ने दिया। वह दाऊद से बिना कारण नफरत करने लगा और उसे मारने की कोशिश करने लगा।

जब वह पछताया भी, तब भी उसकी कड़वाहट इतनी गहरी हो चुकी थी कि वह उससे मुक्त नहीं हो पाया। दाऊद को नष्ट करने की उसकी मानसिकता ने उसके शासन को प्रभावित किया और अंततः उसका पतन हुआ (देखें 1 शमूएल 18–24)।

कड़वाहट ने उसे अंधा कर दिया, शांति छीन ली और उसे अपने घृणा का गुलाम बना दिया।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

सभी विश्वासियों के लिए चेतावनी
इसलिए बाइबल हमें सावधान रहने को कहती है। कड़वाहट सिर्फ व्यक्तिगत समस्या नहीं है, यह पूरे मसीही समुदाय को प्रभावित करती है। चाहे पादरी हो, नेता हो, सेवक हो या कोई भी सदस्य यह आज्ञा हम सबके लिए है।

हमें शांति के लिए प्रयास करना होगा — न केवल उन लोगों के साथ जिन्हें हम पसंद करते हैं, बल्कि उन लोगों के साथ भी जो हमें चुनौती देते हैं। इसका मतलब है कि चर्च में छिपे हुए ग़ुस्सा, अनकहे रिसेंटमेंट और छिपी हुई वैमनस्यता को भी दूर करना।

इफिसियों 4:26-27 (ERV-HI)
“यदि तुम क्रोधित हो, तो पाप मत करो; सूर्य तुम्हारे क्रोध
पर अस्त न हो; और शैतान को अवसर न दो।”

अनसुलझा क्रोध शैतान को हमारे जीवन में प्रवेश देता है। शैतान कड़वाहट का इस्तेमाल समुदायों को विभाजित करने, रिश्तों को तोड़ने और हमारे आध्यात्मिक विकास को रोकने के लिए करता है।

जेम्स (याकूब) हमें कड़क शब्दों में चेतावनी देता है:

याकूब 3:14-17 (ERV-HI)
“यदि तुम्हारे मन में कड़वी ईर्ष्या और झगड़ा हो, तो घमंड न करो और सच्चाई के विरुद्ध झूठ न बोलो। यह वह बुद्धि नहीं है जो ऊपर से आती है, बल्कि यह सांसारिक, स्वाभाविक और शैतानी
है। जहाँ ईर्ष्या और झगड़ा है, वहाँ अव्यवस्था और हर प्रकार
का बुरा काम होता है। लेकिन ऊपर से आने वाली बुद्धि पहले
शुद्ध है, फिर शांतिप्रिय, दयालु, आज्ञाकारी, दयालुता और भले
फल से भरी, पक्षपात रहित और कपटी नहीं।”

अंत में प्रोत्साहन
आइए हम सब मिलकर प्रयास करें कि अपने हृदय को कड़वाहट की जड़ से बचाएं। जल्दी से क्षमा करें, शांति खोजें और परमेश्वर की कृपा में दृढ़ रहें। यदि कड़वाहट ने पहले ही जड़ें जमा ली हैं, तो इसे अनदेखा न करें इसे पश्चाताप के साथ परमेश्वर के सामने लाएं और पवित्र आत्मा से इसे निकालने दें।

केवल शांति और पवित्रता में हम परमेश्वर की उपस्थिति की पूर्णता अनुभव कर सकते हैं और दूसरों के लिए आशीर्वाद बन सकते हैं।

शलोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp